यशवंत सिन्हा और कक्काजी को टेंट लगाने की इजाजत नहीं देना उचित है?

पत्रिका

fb/patrikamadhya pradesh

महाकोशल में पहली बार किसी सरकारी अस्पताल में सुविधा शुरू

मेडिकल में पहली बार कॉक्लियर इम्प्लांट

1.28 लाख रुपए से कम खर्च में हो जाएगा इंप्लांट

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जबलपुर. नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सुनने मे अक्षम बच्चों के लिए कॉकलियर इंप्लांट की सुविधा शुरू हो गई है। ईएनटी विभाग की ओटी में शनिवार को डॉक्टरों ने पहला इंप्लांट किया। महाकोशल क्षेत्र के पहले शासकीय अस्पताल में यह सुविधा शुरू हुई है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत सुनने-बोलने में जन्मजात अक्षम 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के इंप्लांट के लिए 6.50 लाख रुपए का पैकेज निर्धारित है। मेडिकल अस्पताल में 1.28 लाख रुपए में ही सर्जरी हो जाएगी।

ये रहे टीम में शामिल

ईएनटी ओटी मे एचओडी डॉ. कविता सचदेवा, मुम्बई से आए डॉ. दीपक एवं डॉ. मीना सिंह, डॉ. रूचिर, डॉ. नितिन, डॉ. शायमा ने इंप्लांट किया। एक चार वर्षीय बच्ची को इम्प्लांट किया गया। अब मेडिकल कॉलेज के न्यू बार्न हियरिंग प्रोग्राम के अन्तर्गत चिह्नित 10 बच्चों की सर्जरी की जाएगी।

ऐसे कार्य करता है इंप्लांट

कॉक्लियर इंप्लांट के 18 इलेक्ट्रोड होते हैं। माइक्रोस्कोपी से इलेक्ट्रोड को कान के भीतर सेट करने के बाद कान के पास छोटा उपकरण चिपका देते हैं। इलेक्ट्रोड बाहर के आवाज को एकत्र को दिमाग तक पहुंचाते हैं। इंप्लांट के बाद बोलने की प्रैक्टिस कराई जाती है।

मेडिकल कॉलेज में कॉक्लियर इंप्लांट शुरू हो गया है। एक छत के नीचे ही मरीज को सारी सुविधाएं मिल जाएगी। ईएनटी विभाग में संचालित बीएएसएलपी कोर्स के कारण स्पीच थैरेपी की सुविधा भी मिलेगी।

डॉ. नवनीत सक्सेना,
डीन, मेडिकल कॉलेज

Scanned by CamScanner